खबर संक्षेप

युवती की फेक आईडी बनाकर अश्लील वीडियो फैलाने वाला गिरफ्तार

शहडोल। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में मासूम लड़कियों की अस्मत से खिलवाड़ करने वाले एक शातिर ब्लैकमेलर का ब्यौहारी पुलिस ने अंत कर दिया है। इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर युवती के अश्लील वीडियो वायरल करने और उसे धन उगाही के लिए प्रताड़ित करने वाले आरोपी अमित साहू को पुलिस ने लोहे के चने चबवाते हुए सलाखों के पीछे भेज दिया है।

बुना ब्लैकमेलिंग का जाल

घटना की जड़ें साल 2023 से जुड़ी हैं, जब उमरिया जिले के ग्राम बड़छड़ निवासी अमित साहू उम्र 24 वर्ष ने इंस्टाग्राम के जरिए पीड़िता से दोस्ती की। आरोपी ने शातिराना तरीके से व्हाट्सएप वीडियो कॉल के दौरान युवती के निजी पलों को उसकी जानकारी के बिना रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद आरोपी का असली चेहरा सामने आया। अगस्त 2024 से वह पीड़िता के नाम की फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर लगातार अश्लील वीडियो वायरल करने लगा।

रुपयों की मांग और मानसिक प्रताडऩा- हवस और लालच में अंधा हो चुका -रोपी यहीं नहीं रुका। वह पीड़िता को डरा-धमकाकर लगातार रुपयों की मांग कर रहा था। लोक-लाज के डर से सहमी पीड़िता ने जब हिम्मत जुटाई और अपनी मां के साथ 5 जनवरी 2026 को थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई, तब पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की संगीन धाराओं के तहत केस दर्ज किया।

धर दबोचा गया आरोपी

ब्यौहारी एसडीओपी ऋषभ छारी के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी बालकरण प्रजापति के नेतृत्व में पुलिस ने घेराबंदी की। बुधवार 28 जनवरी को पुलिस टीम ने आरोपी अमित साहू को उसके ठिकाने से दबोच लिया। आरोपी के पास से वह मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया है, जिसका इस्तेमाल वह इस घिनौने अपराध को अंजाम देने के लिए कर रहा था। इस महत्वपूर्ण सफलता में प्रधान आरक्षक महेंद्र पाल शुक्ला, आरक्षक गंगा सागर गुप्ता और पंकज महरा की विशेष भूमिका रही। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के मनचलों और साइबर अपराधियों में हडक़ंप मचा हुआ है।

लापता युवक की कुएं में मिली लाश

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 में उस समय हडक़ंप मच गया, जब 24 घंटे से लापता एक 18 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं में उतराता मिला। मंगलवार से गायब राज बकसरिया की तलाश का अंत मौत की खबर के साथ हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

चप्पल ने खोला मौत का राज

खैरहा निवासी मृतक राज बकसरिया उम्र 18 वर्ष मदन एजेंसी के पीछे शास्त्री भवन परिसर में किराए से रहता था। मंगलवार को वह अचानक लापता हो गया, जिसकी परिजन काफी खोजबीन कर रहे थे। बुधवार दोपहर शास्त्री भवन के भीतर स्थित कुएं के पास युवक की चप्पलें पड़ी देख परिजनों के पांव तले जमीन खिसक गई। अनहोनी की आशंका में जब कुएं में झांका गया, तो भीतर राज की लाश पानी के ऊपर तैर रही थी।

कोतवाली पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाकर मर्ग कायम किया। युवक ने आत्महत्या की है या यह किसी गहरी साजिश का हिस्सा है, यह सवाल अब भी हवा में तैर रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आखिर 18 साल के युवक की मौत का असली सच क्या है? क्या वह किसी मानसिक दबाव में था या कोई और वजह थी।

पुश्तैनी आशियाने पर राजेश चमड़िया की टेढ़ी नजर

शहडोल में भू-माफिया की गुंडागर्दी

जेसीबी लेकर ढहाने पहुंचा गरीबों का प्रधानमंत्री आवास

शहडोल।

जिला मुख्यालय से लेकर तहसील की गलियों तक सफेदपोश भू-माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे गरीबों के सिर से छत छीनने पर आमादा हैं। बुढार में एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां राजेश चमडिया नामक व्यक्ति पर एक गरीब आदिवासी परिवार को डराने-धमकाने और उनके पुश्तैनी घर पर बुलडोजर चलवाने की कोशिश करने के गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित पुष्पेंद्र कोल ने अपनी और अपने परिवार की जान को खतरा बताते हुए पुलिस अधीक्षक शहडोल से न्याय की गुहार लगाई है।

तीन पीढ़ियों की विरासत पर कब्जे की नीयत

शिकायती पत्र के अनुसार, पुष्पेंद्र कोल का परिवार बुढार के मुरिलिया बाग रोड पर पिछले तीन दशकों (तीन पीढ़ियों) से निवास कर रहा है। जिस भूमि पर राजेश चमडिया की गिद्ध दृष्टि पड़ी है, उसी पर शासन द्वारा स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास बना हुआ है, जिसका बाकायदा नगर पालिका में टैक्स भी जमा किया जाता है, लेकिन आरोप है कि राजेश चमडिया इस सरकारी आवास को अवैध कब्जा बताकर खाली करने का दबाव बना रहा है।

राजेश चमडिया का दबंग अवतार

पीड़ित द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक, राजेश चमडिया की दबंगई इस कदर बढ़ गई है कि वह 28 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 2 बजे अपने साथ 20-25 लोगों और एक पटवारी को लेकर पुष्पेंद्र के घर धमक पड़ा। आरोप है कि उसने घर का ताला तोडक़र जबरन प्रवेश किया और जेसीबी मशीन बुलाकर घर जमींदोज करने की कोशिश की। यही नहीं राजेश चमडिया पर आरोप है कि वह पीड़ित को फर्जी केस में फंसाने, जेल भेजने और जान से मरवाने की धमकियां दे रहा है। पीड़ित का कहना है कि उसे जबरन पकडक़र किसी अज्ञात कागज पर हस्ताक्षर कराने का प्रयास भी किया गया, जिससे वह किसी तरह बचकर भागा।

सीसीटीवी से निगरानी और दहशत का माहौल

मामला केवल घर छीनने तक सीमित नहीं है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि राजेश चमडिया ने उसके घर के सामने सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं, जिससे वह परिवार की हर गतिविधि पर नजर रखता है और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। एक गरीब परिवार के निजी जीवन में इस तरह की दखलंदाजी और सरेआम दी जा रही धमकियों ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

एसपी की चौखट पर न्याय की गुहार

पूरा कोल परिवार इस समय खौफ के साये में जीने को मजबूर है। पीड़ित पुष्पेंद्र कोल ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि राजेश चमडिया से उन्हें और उनके परिवार को जान का खतरा है और वह कभी भी किसी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। शहडोल में कानून का राज खत्म हो गया है, एक रसूखदार व्यक्ति कैसे सरेआम प्रधानमंत्री आवास को तोडऩे की हिम्मत जुटा लेता है, क्या प्रशासन राजेश चमडिया जैसे सफेदपोशों पर नकेल कसेगा या गरीब का घर उजडऩे का इंतजार करेगा। इस घटना ने बुढार क्षेत्र में भू-माफियाओं के सक्रिय सिंडिकेट की पोल खोल दी है। अब देखना यह होगा कि पुलिस अधीक्षक इस गंभीर मामले में राजेश चमडिया के खिलाफ क्या सख्त वैधानिक कार्रवाई करते हैं या फिर एक गरीब परिवार अपनी पुश्तैनी जमीन से बेदखल कर दिया जाएगा।

नाबालिग की आईडी हैक कर अश्लील फोटो की थी वायरल

आरोपी पहुंचा सलाखों के पीछे

शहडोल।

सोशल मीडिया की आड़ में मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले एक शातिर साइबर अपराधी को बुढार पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इंस्टाग्राम पर दोस्ती की आड़ में शुरू हुआ यह खेल ब्लैकमेलिंग और अश्लील फोटो वायरल करने तक जा पहुंचा था, लेकिन पुलिस की तत्परता ने आरोपी के अहंकार को मिट्टी में मिला दिया।

दोस्ती से दरिंदगी तक का सफर

मामला बुढार थाना क्षेत्र का है, जहां विक्रमपुर निवासी अनुराग लहगीर उम्र 21 ने जनवरी 2024 में एक नाबालिग बालिका को इंस्टाग्राम पर अपने जाल में फंसाया। पहले मीठी बातों से दोस्ती की और फिर अगस्त आते-आते अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। आरोपी ने नाबालिग को जान से मारने की धमकी देकर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें हासिल कर लीं।

आईडी हैक कर पार की बेशर्मी की हदें

आरोपी की दरिंदगी यहीं नहीं रुकी। बीते 26 जनवरी को, जब पूरा देश गणतंत्र दिवस मना रहा था, इस अपराधी ने पीड़िता की सोशल मीडिया आईडी हैक कर ली और उसकी अश्लील तस्वीरें वायरल कर दीं। इतना ही नहीं, विरोध करने पर पीड़िता और उसके पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी भी दी गई।

पुलिस का एक्शन और सलाखें

शिकायत मिलते ही बुढार थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह ने मामले की नजाकत को समझा और तत्काल घेराबंदी शुरू की। पुलिस ने साइबर साक्ष्यों और मुखबिरों की मदद से 28 जनवरी को आरोपी अनुराग लहगीर को दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, आईटी एक्ट और जान से मारने की धमकी जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी विनय सिंह के साथ उपनिरीक्षक शोभा नामदेव, सउनि रविदास संत, राजा भैया बागरी और आरक्षक ज्योतेन्द्र सिंह की भूमिका रही।

बाणसागर में सराफा व्यापारियों को दुकान में बंद कर पीटा

शहडोल।

कानून के रखवाले ही जब भक्षकों के साथ जुगलबंदी करने लगें, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए, बाणसागर (देवलोंद) में एक ऐसी ही रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जहां पुलिस की कथित मिलीभगत से न केवल व्यापारियों पर जानलेवा हमला हुआ, बल्कि उन्हें उनकी ही दुकान में बंधक बनाकर लूटपाट की गई। अब इस मामले में पुलिस अधीक्षक के पास इंसाफ की गुहार लगाई गई है।

दबंगों का धावा, खून से सनी दुकान

पीड़ित दिलीप, रवि और सुनील सोनी ने आरोप लगाया है कि 25 जनवरी की शाम रजक बंधुओं रमेश, मंगल, राजाराम, अभिषेक ने

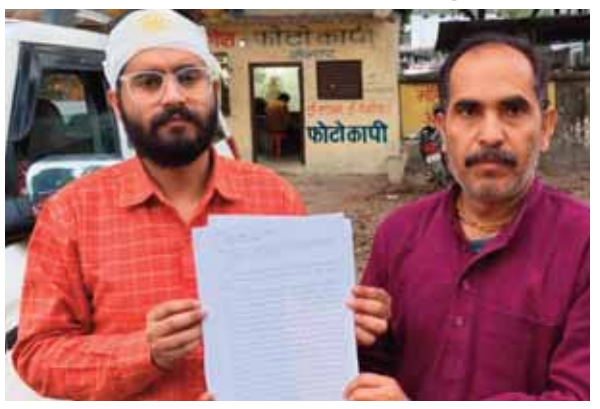

महिलाओं के साथ मिलकर उनके प्रतिष्ठान पर सुनियोजित हमला बोला। आरोप है कि हमलावरों ने रवि सोनी को घसीट-घसीट कर पत्थर से वार किया, जिससे उनका सिर फट गया। दबंगों ने दुकान से कीमती चांदी के आभूषण लूट लिए और सामान सडक़ पर फेंक दिया। हद तो तब हो गई जब व्यापारियों को दुकान के अंदर बंद कर बाहर से ताला लगा दिया गया और जान से मारने की धमकी दी गई।

वर्दी के पीछे साजिश

शिकायती पत्र के अनुसार, इस पूरे खूनी खेल का मास्टरमाइंड एएसआई महेश झा को बताया जा रहा है। पीड़ितों का दावा है कि जब डायल 112 को सूचना दी गई, तो मदद के बजाय एएसआई श्री झा हमलावरों के साथ खड़े नजर आए। आरोप है कि पुलिस अधिकारी ने न केवल दुकान की चाबियां अपने पास रख लीं, बल्कि निर्दोष सुनील सोनी को जो घटनास्थल पर मौजूद भी नहीं था, उसे पुलिस पर हमले के झूठे केस में फंसाकर गिरफ्तार कर लिया।

वीडियो फुटेज खोलेंगे पोल

व्यापारियों ने दावा किया है कि घटना के वीडियो फुटेज और सीसीटीवी साक्ष्य मौजूद हैं, जो पुलिस की थ्योरी की धज्जियां उड़ाने के लिए काफी हैं। पीड़ित पक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि इस वर्दीधारी गुंडागर्दी और रजक बंधुओं के खिलाफ सख्त एक्शन नहीं हुआ और निर्दोष सुनील को रिहा नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

समय की कद्र करो, वरना समय तुम्हें पीछे छोड़ देगा: उपायुक्त

शहडोल।

जो वक्त की उंगली पकडक़र चलता है, वक्त उसे कामयाबी के शिखर पर बिठा देता है। यह प्रेरणादायक विचार जनजातीय कार्य विभाग के संभागीय उपायुक्त जे.पी. यादव ने कन्या शिक्षा परिसर बुढ़ार में आयोजित प्रेरणा संवाद के दौरान छात्राओं के बीच साझा किए। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि विद्यार्थी जीवन वह नींव है, जिस पर भविष्य की बुलंद इमारत खड़ी होती है, अगर यहां चूके, तो पूरी जिंदगी भटकना तय है।

तकदीर और तस्वीर बदलने का इकलौता रास्ता

छात्राओं को संबोधित करते हुए श्री यादव ने समय की अहमियत पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि समय अमूल्य है और जो इसकी कद्र नहीं करता, उसे इतिहास कभी माफ नहीं करता। समय के सदुपयोग से न केवल आपकी तकदीर बदलेगी, बल्कि आपके परिवार की तस्वीर भी बदल जाएगी। उन्होंने छात्राओं को आगाह किया कि यह उम्र जीवन निर्माण की है, जहाँ एक-एक पल का हिसाब रखना जरूरी है। माता-पिता ने जिस भरोसे के साथ आपको घर से दूर भेजा है, उस विश्वास की रक्षा करना आपकी पहली जिम्मेदारी है।

शून्य से शिखर तक का सफर

कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रभावी क्षण वह था जब श्री यादव ने अपनी ज़मीं से आसमां तक की संघर्षपूर्ण जीवन गाथा साझा की। उन्होंने बताया कि असफलताएं अंत नहीं, बल्कि सुधार का एक अवसर होती हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि वे आत्म-अनुशासन को अपना हथियार बनाएं और कड़ी मेहनत से अपनी क्षमताओं को पहचानें।

भटक गए तो पूरी जिंदगी होगी बर्बाद

उपायुक्त ने छात्राओं को जीवन की कड़वी सच्चाई से रूबरू कराते हुए कहा कि सही राह पर चलने से ही मंजिल मिलती है, अन्यथा भटकाव का कोई अंत नहीं है। उन्होंने एकाग्रता और कड़ी मेहनत को सफलता की अनिवार्य शर्त बताया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को अपनी असफलताओं के कारण ढूंढने और उन्हें चुनौती के रूप में स्वीकार करने की सीख दी। इस प्रेरणा संवाद के दौरान प्राचार्य श्रीमती वर्षा दुबे सहित शिक्षक और छात्रावास की सैकड़ों बालिकाएं मौजूद रहीं, जिन्होंने इस संवाद को अपने जीवन की नई शुरुआत के रूप में स्वीकार किया।

शहडोल के एनआरसी केंद्रों में उमड़ी मासूमों की भीड़

कहीं बिस्तर फुल तो कहीं बेड खाली

शहडोल।

जिले में कुपोषण के कलंक को मिटाने के लिए स्वास्थ्य विभाग एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है। पोषण पुनर्वास केंद्रों की ताज़ा तस्वीर बताती है कि ग्रामीण अंचलों में कुपोषण की जड़ें कितनी गहरी हैं। वर्तमान में जिले के विभिन्न केंद्रों पर तैनात 70 बिस्तरों में से 52 पर नन्हें मासूमों का उपचार युद्ध स्तर पर जारी है।

ब्यौहारी और गोहपारू में ओवरलोड

चौंकाने वाली बात यह है कि जिले के कुछ केंद्रों पर क्षमता से अधिक बच्चे पहुंच रहे हैं। ब्यौहारी सीएचसी में निर्धारित 10 बेड के मुकाबले 10 बच्चे भर्ती हैं, वहीं गोहपारू में स्थिति और भी गंभीर है, यहां 10 बिस्तरों के विरुद्ध 11 बच्चों का उपचार किया जा रहा है। सिंहपुर में भी सभी 10 बिस्तर भरे हुए हैं। इन केंद्रों पर बढ़ती भीड़ विभाग के उन दावों की पोल खोल रही है जो कुपोषण मुक्त जिले का सपना दिखाते हैं।

जिला अस्पताल और बुढ़ार में राहत

एक तरफ जहां ग्रामीण केंद्रों पर दबाव है, वहीं जिला चिकित्सालय में 20 में से 11 और बुढ़ार में 10 में से केवल 4 बच्चे भर्ती हैं। जयसिंहनगर में भी 4 बेड खाली पड़े हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का दावा है कि बच्चों को न केवल गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा मिल रही है, बल्कि संतुलित पोषण और नियमित निगरानी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

यातायात प्रभारी ने बस स्टैंड पर घेरे नियम तोड़ने वाले चालक

सडक़ पर यमराज को न दें न्योता: जायसवाल

शहडोल।

जिले की सडक़ों पर बेलगाम दौड़ते वाहनों और यातायात नियमों को ताक पर रखने वाले चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को यातायात प्रभारी संजय जायसवाल के नेतृत्व में नगर के व्यस्ततम बस स्टैंड इलाके में सघन चेकिंग अभियान चलाकर वाहन चालकों की क्लास लगाई गई। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से बस स्टैंड क्षेत्र में हडक़ंप मच गया और कई रसूखदार गलियां बदलते नजर आए।

कागज अधूरे और रफ्तार बेकाबू

चेकिंग के दौरान सूबेदार श्रीमती प्रियंका शर्मा और यातायात की टीम ने दो पहिया और चार पहिया वाहनों को रोककर उनके ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, और फिटनेस संबंधी दस्तावेजों की सघन जांच की। यातायात प्रभारी ने स्पष्ट किया कि सडक़ पर बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाना न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि अपनी और दूसरों की

जान को खतरे में डालना है।

हेलमेट से परहेज और मोबाइल का मोह पड़ेगा भारी

कार्यवाही के दौरान सबसे ज्यादा फोकस दो पहिया वाहन चालकों पर रहा। प्रभारी संजय जायसवाल ने वाहन चालकों को आक्रामक लहजे में समझाइश देते हुए कहा कि गाड़ी चलाते समय मोबाइल का उपयोग मौत को बुलावा देना है। उन्होंने बिना हेलमेट घूम रहे युवाओं को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि हेलमेट बोझ नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच है। पुलिस ने चेतावनी दी कि अगली बार बिना हेलमेट और मोबाइल पर बात करते पाए जाने पर केवल समझाइश नहीं, बल्कि चालानी कार्रवाई के साथ लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी।

लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं

बस स्टैंड जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार किया है। यातायात विभाग का यह अभियान उन लोगों के लिए एक कड़ा संदेश है जो नियमों को तोडऩा अपनी शान समझते हैं। पुलिस ने साफ कर दिया है कि सडक़ों पर गुंडागर्दी और लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान यातायात पुलिस की टीम मुस्तैद रही और नियम विरुद्ध पाए गए वाहनों के मालिकों को अंतिम चेतावनी देकर छोड़ा गया।

खबर संक्षेप

अब्दुल वजूद को चतुर्दिक सीमाओं से किया निष्कासित

उमरिया। कलेक्टर एवं जिलादंडाधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने अब्दुल वजूद पिता अब्दुल वदूद उम्र 35 साल निवासी कैम्प उमरिया, थाना कोतवाली उमरिया को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 क, ख अंतर्गत जिला-उमरिया सहित समीपी राजस्व जिलों शहडोल, अनूपपुर, मैहर, जबलपुर, कटनी एवं डिण्डौरी की चतुर्दिक राजस्व सीमाओं से 6 माह की अवधि के लिये निष्काषित किया है। उन्होंने कहा है कि अनावेदक आदेश दिनांक से 24 घण्टे के अंदर विनिर्दिष्ट जिलों की सीमा से बाहर जाकर अपने आचरण में सुधार करे। आदेश प्रभावशील रहने तक बिना अनुमति के उक्त सीमाओं में प्रवेश नहीं करेगा। उसके विरूद्ध चल रहे न्यायालयीन मामलों की पेशी की तिथियों पर थाना प्रभारी थाना कोतवाली उमरिया को लिखित सूचना देने पर उपस्थिति की छूट रहेगी। पेशी के तुरंत बाद अनावेदक इस आदेश का पालन करेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर अधिनियम की धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

14 मार्च को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 14 मार्च 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल,श्रम,मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित / प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जावेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जनमानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से दिनांक 14 मार्च 2026 को निपटारा कराएं एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

अपहरण और दरिंदगी के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

कोतमा। विशेष पॉक्सो न्यायालय कोतमा की अदालत से वर्ष 2022 में थाना भालूमाड़ा अंतर्गत 11 वर्षीय किशोरी के अपहरण और दरिंदगी के मामले मे आरोपी समीम अहमद को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सहित अर्थदंड से दंडित किया गया है। अभियोजन के अनुसार धारा 365 7 वर्ष, 342 मे 1 वर्ष, 366 मे 10 वर्ष, 376 एबी एवं 5/6 पोक्सो एक्ट में आजीवन कारावास के साथ अर्थदंड से दोष सिद्धि हुई है। घटना 24 जून 2022 की है। 11 वर्षीय नाबालिग अपने घर के दुकान में खड़ी थी, जहां आरोपी के द्वारा अपहरण करते हुए अपने घर के अंदर ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। बेटी की तलाश कर रहे माता पिता स्थानीय लोगों द्वारा बताया कि आरोपी समीम ले गया है। आरोपी के घर जाकर दरवाजा खुलवाया तो बेटी बदहवास हालत में मिली। घर लाकर पूछने पर उसने अपने साथ हुई दरिंदगी की घटना को बताया। विशेष न्यायालय के द्वारा अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर अभियुक्त समीम अहमद को आजीवन कारावास की सजा से दोष सिद्धि किया गया है। अभियोजन की ओर से पैरवी एडीपीओ वृन्दा चौहान द्वारा की गई है।

फोन तक रिसीव करने की फुर्सत नहीं

शिक्षा विभाग की विषाक्त लापरवाही

उमरिया के जरहा स्कूल में मची चीख-पुकार

उमरिया। जिले के करकेली विकासखंड का जरहा स्कूल बुधवार को उस समय रणक्षेत्र बन गया, जब सरस्वती के मंदिर में एक साथ 20 मासूमों की सांसें अटकने लगीं। एक के बाद एक गिरते बच्चों और गूंजती चीख-पुकार ने न केवल अभिभावकों का कलेजा चीर दिया, बल्कि शासन-प्रशासन के उन दावों की भी धज्जियां उड़ा दीं, जो सरकारी स्कूलों में स्वच्छता और गुणवत्ता के नाम पर बड़े-बड़े विज्ञापनों में किए जाते हैं।

अव्यवस्था की भेंट चढ़ते मासूम

बुधवार की सुबह जरहा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किसी डरावने सपने जैसी थी। अचानक बच्चों को तेज बुखार, उल्टियां और दस्त की शिकायत होने लगी। स्कूल परिसर में हकंप मच गया और आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और बच्चों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है, लेकिन असली सवाल इलाज का नहीं, बल्कि बीमारी की जड़ का है। क्या बच्चों को पिलाया जाने वाला पानी शुद्ध था, क्या मध्याह्न भोजन में परोसा जाने वाला निवाला विषाक्त था या स्कूल परिसर में पसरी गंदगी ने इस महामारी को न्योता दिया, ये सवाल आज करकेली के हर घर में गूंज रहे हैं, लेकिन जवाब देने वाला कोई नहीं है।

साहब के पास समय नहीं

जब पूरा जिला इन 20 मासूमों की सलामती की दुआ मांग रहा था, तब विभाग के मुखिया जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस. मरावी अपनी कुंभकर्णी नींद में डूबे थे। मीडिया ने जब उनसे संपर्क कर घटना पर स्पष्टीकरण और जिम्मेदारियों को लेकर सवाल करना चाहा, तो उन्होंने कॉल रिसीव करना तक मुनासिब नहीं समझा। जिम्मेदार अधिकारी का फोन न उठाना कोई सामान्य बात नहीं, बल्कि विभाग की संवेदनहीनता का चरम है। यह चुप्पी दर्शाती है कि जिले के शिक्षा तंत्र में जवाबदेही शब्द का अस्तित्व ही खत्म हो चुका है। जब कप्तान ही मैदान छोडक़र भाग खड़ा हो, तो जमीनी स्तर के कर्मचारियों से मुस्तैदी की उम्मीद करना बेमानी है।

जांच का झुनझुना और कागजी घोड़े

हर बार की तरह इस बार भी स्वास्थ्य विभाग की टीम पानी के सैंपल ले रही है और गांव में जांच की बात कह रही है। शिक्षा विभाग के अधिकारी नजर रखने का दावा कर रहे हैं, लेकिन क्या यह जांच केवल फाइलें भरने के लिए है। सच्चाई यह है कि ग्रामीण अंचलों के स्कूलों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। जरहा की घटना केवल एक संयोग नहीं, बल्कि बरसों से चली आ रही लापरवाही का भयावह परिणाम है।

अब आश्वासन नहीं, एक्शन चाहिए

प्रशासन को समझना होगा कि यह केवल 20 बच्चों की तबीयत बिगडऩे का मामला नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों के विश्वास का कत्ल है जो अपने बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए सरकारी स्कूलों में भेजते हैं। जरहा स्कूल की यह घटना एक अलार्म है। अगर अब भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में जिले के अन्य स्कूलों से भी ऐसी ही खबरें आना तय हैं। उमरिया का शिक्षा विभाग अब केवल हालात सामान्य बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकता। अभिभावक अब आश्वासन नहीं, बल्कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते हैं।

खंड स्तरीय आनंद उत्सव कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत जयसिंहनगर द्वारा आयोजित खंड स्तरीय आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन आज जयसिंहनगर महाविद्यालय परिसर में हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य आपसी समन्वय, सौहार्द एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा। आनंद उत्सव के अंतर्गत कुर्सी दौड़, रस्सा-कस्सी, कबड्डी एवं क्रिकेट जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने अनुशासन, खेल भावना एवं उत्साह के साथ सहभागिता कर कार्यक्रम को जीवंत बनाया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। नगरपालिका परिषद जयसिंहनगर की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला शुक्ला, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर अनुविभागीय दंडाधिकारी जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती शिवानी जैन, तहसीलदार श्रीमती सुषमा, श्री अनुराग निगम (ए.पी.ओ.) सहित जनपद पंचायत एवं राजस्व विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा गया कि इस प्रकार के आयोजनों से कर्मचारियों में टीम भावना, आपसी सहयोग एवं शारीरिक-मानसिक स्फूर्ति का विकास होता है, जिससे कार्य दक्षता में सकारात्मक वृद्धि होती है। सभी विभागों के समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता से खंड स्तरीय आनंद उत्सव कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संकल्प से समाधान अंतर्गत अधिक संख्या में आवेदन प्राप्त करने एवं निराकरण के संबंध मे निर्देश जारी

उमरिया। संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शासन की विभिन्न जन योजनाओं/सेवाओं में हितग्राहियों को लाभ प्रदाय करने हेतु संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं में शत प्रतिशत सेचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित योजनाओं को प्राप्त करने के लिए विकसित भारत अंतर्गत संकल्प से समाधान अभियान 31 मार्च 2026 तक चार चरण में आयोजित किये जाने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिले में संकल्प से समाधान 31 मार्च 2026 तक चार चरण में अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न जन योजनाओं/सेवाओं के आवेदनों को निर्धारित समयावधि में प्राप्त कर शत प्रतिशत निराकरण कराया जाना है। अभियान के क्रियान्वयन हेतु शहरी वार्डों, ग्राम पंचायतों को मिलाया जाकर कलस्टर बनाया गया है। कलस्टर में सम्मिलित वार्डों एवं ग्राम पंचायतों के अभियान के तहत चिन्हित जन योजनाओं/सेवाओं के आवेदन को घर-घर जाकर आवेदन संकलित कर पोर्टल में दर्ज किये जाने हेतु दल प्रभारियों की नियुक्ति नोडल अधिकारी द्वारा की गई है। आवेदनों के मॉनीटरिंग हेतु कलस्टर प्रभारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये दल प्रभारियों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन प्राप्त किया जाकर पोर्टल में दर्ज तत्काल दर्ज कराने के कलेक्टसर ने निर्देश दिए है, ताकि जिले की प्रगति में सुधार हो सके। उन्होने निर्देशित किया है कि संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत नोडल अधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये दल प्रभारियों को घर-घर जाकर आवेदन संकलित कर पोर्टल में दर्ज कराये जाने हेतु निर्देशित करें एवं आप अपने क्षेत्र (कलस्टर) का भ्रमण कर आवेदनों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण करा ताकि प्रदेश स्तर पर जिले की स्थिति में सुधार हो सके।

एसईसीएल की जमीन से अवैध कब्जा ध्वस्त, प्रबंधन हरकत में आया

खबर का असर

बदरा/जमुना। एसईसीएल क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण का मामला उस समय गंभीर हो गया था, जब भालू माडा कोतमा स्थित कालरी क्लब के सामने एसईसीएल की जमीन पर रातों-रात शटर व दरवाजा लगाकर दुकान खड़ी कर दी गई। कुछ दिन पहले इसी स्थान पर कब्जे की कोशिश को रोका गया था, लेकिन इस बार प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे जनआक्रोश बढ़ता जा रहा था। इस पूरे मामले को हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिसका सीधा असर यह हुआ कि एसईसीएल प्रबंधन हरकत में आया। खबर के प्रकाशन के बाद मंगलवार 27 जनवरी को सुबह करीब 10:30 बजे एसईसीएल के संपदा अधिकारी अजय कुमार सिंह, एरिया पर्सनल मैनेजर ज्योति कुमार, सुरक्षा प्रभारी मारकंडेय सिंह के नेतृत्व में जेसीबी मशीन के साथ कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान एचएमएस एरिया अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला, ऋषि तिवारी, इंटक यूनियन के रमेश कुशवाहा, संजय पटेल सहित कालरी के सुरक्षा कर्मी मौके पर मौजूद रहे। जेसीबी की मदद से अवैध अतिक्रमण को धराशायी कर दिया गया, जिससे एसईसीएल की भूमि पर कब्जा करने वालों के हौसले पस्त हो गए। वहीं एचएमएस एरिया अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने मांग उठाई कि जो लोग कई एकड़ जमीन पर कब्जा कर बैठे हैं, उन पर भी सख्त कार्रवाई हो। इस पर प्रबंधन ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी करने और आवश्यक होने पर निलंबन सहित आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया है। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने अतिक्रमण हटाए गए स्थान पर महिला एवं पुरुषों के लिए पेशाबघर बनाए जाने की मांग की, ताकि कॉलोनीवासियों को सुविधा मिल सके। उल्लेखनीय है कि अतिक्रमण के विरोध में 26 जनवरी को गांधी जी की प्रतिमा व तिरंगा लेकर प्रदर्शन का ऐलान किया गया था, लेकिन राष्ट्रीय पर्व के सम्मान में इसे स्थगित कर दिया गया, जिसे स्थानीय लोगों ने सराहनीय कदम बताया। इस पूरे घटनाक्रम में हरिभूमि की खबर ने अहम भूमिका निभाई, जिसके चलते प्रशासनिक उदासीनता टूटी और एसईसीएल की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा सका।

नगर परिषद बनगवाँ में गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ धूमधाम के साथ मनाया गया

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में देश के 77 वे गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम भारत माता को पुष्प गुच्छ समर्पित कर, धूप-दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना कर तिरंगे का ध्वजारोहण नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह द्वारा सुबह किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह और कार्यक्रम के अध्यक्षता नगर परिषद बनगवां के उपाध्यक्ष धनंजय सिंह के द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी राम मिलन तिवारी, लेखापाल राजेश कुमार मिश्रा, जावेद मंसूरी वर्ग 2, सभी नगर परिषद के सभी सभापति, पार्षदगण, नगर के वरिष्ठ नागरिक रामकुमार तिवारी, भीम सिह मंच में मंचाचीन सभी अतिथि गण उपस्थित रहे। ध्वजारोहण पश्चात मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष ने किया। गणतंत्र दिवस के बारे में सुरेश गौतम, गजेंद्र सिंह सिकरवार, पार्षद एड. संगीता सोनी, धर्मेंद्र सिंह पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष ने अपना उद्बोधन दिया। वरिष्ठ नागरिक भीम सिंह, गजेंद्र सिंह सिकरवार, बृजमोहन सिंह, सुरेश गौतम, राजेंद्र त्रिपाठी, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, राजेश सिंह, सोनू कनौजिया युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष, सचिन द्विवेदी युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा पूजा केवट महामंत्री, नारायण साहू, महेश जेठानी, मनीष शुक्ला, मीडिया की तरफ से पत्रकार समर बहादुर सिंह, मनोज सिंह, विजय जायसवाल, अमित सेन गुप्ता, श्रीमती सुमिता शर्मा, मनीष सिंह, श्रीमती रीना शर्मा (हरिभूमि), मनुमणि तिवारी उपस्थित रहे। नगर परिषद ने क्षेत्र के पत्रकारों को नववर्ष के शुभ अवसर पर पेन, डायरी देकर सम्मानित किया। मंच का सफल संचालन अखंड प्रताप सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पश्चात नगर वासियों को मिष्ठान वितरित किया गया।

परिषद में एक शाम शहीदों के नाम का रंगारंग कार्यक्रम हुआ संपन्न

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर शाम को एक शाम शहीदों के नाम पर देश भक्ति गानों का एक कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें क्षेत्र के लोकप्रिय क्षेत्रीय कलाकार संदीप शिवहरे कोतमा एवं उनके साथियों द्वारा एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीतो को गाकर इस महफिल कि समा को बांधा। इस दौरान स्थानीय कलाकारों को भी मंच के माध्यम से गाने गाने का अवसर मिला जिसमें सुरेश विश्वकर्मा तथा नगर परिषद स्वच्छता कर्मचारी अमर पसेरीया ने कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मंच पर बेहतरीन लाइटिंग वह साउंड सिस्टम की व्यवस्था से कार्यक्रम में और चार चांद लग गए। जो की आकर्षण का केंद्र रहा। देर रात तक यह कार्यक्रम चला। जिसमें नगर के सभी वर्ग के लोगों ने इस देशभक्ति एक शाम शहीदों के नाम के कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। इस सफल आयोजन के लिए नगर परिषद बनगवां के समस्त कर्मचारियों एवं आयोजकों की सराहना की गई।

परिषद के स्वच्छता कर्मचारी अमर पसेरिया के गायकी बनी आकर्षण का केंद्र

एक शाम शहीदों के नाम के इस कार्यक्रम में नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के स्वच्छता विभाग के कर्मचारी अमर पसेरिया ने गीत गाकर सबका मन मोह लिया। जिसकी मधुर आवाज और अभिव्यक्ति ने पूरे परिसर में तालिया से गुंज रही थी। अमर पसेरिया की इस कला से प्रभावित होकर नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने उन्हें नगद राशि देकर सम्मानित किया। साथ ही परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने वॉलीबॉल खिलाड़ियों को वॉलीबॉल प्रदान किए गए। नगर परिषद बनगवां प्रतिभा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए सदैव तत्पर है, और ऐसे कलाकार समाज के लिए प्रेरणा है।

जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में गणतंत्र दिवस उत्सव का सफल आयोजन

अमरकंटक। पावन-पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा के उद्गम तट पर स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक, जिला अनूपपुर में 26 जनवरी को 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य आशीष शुक्ला के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की पारंपरिक शुरुआत प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण द्वारा भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों तथा विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं एवं समस्त कर्मचारीगण के सामूहिक जयघोष एवं देशभक्ति नारों से विद्यालय परिसर गूंज उठा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक प्रांगण में प्राचार्य आशीष शुक्ला ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं सलामी दी इस अवसर पर राष्ट्रीय गान गाया गया। संगीत शिक्षक शेख वाहिद के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनके माध्यम से भारत की लोक संस्कृति एवं सभ्यता की सुंदर झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों द्वारा परेड का प्रदर्शन कर अनुशासन, एकता एवं सांस्कृतिक विरासत को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया।

खबर संक्षेप

स्टेडियम बनाने की घोषणा, शिक्षिका सहित 3 का सम्मान

सिलौड़ी। विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने पंचमुखी सेवा न्यास दरबार की बाउंड्री और सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा किया । सिलौंडी में 1 करोड़ 30 लाख की लागत से खेल मैदान स्टेडियम बनाने की घोषणा किया है । कन्या स्कूल और बालक स्कूल में शौचालय निर्माण की भी घोषणा किया। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में सिलौंडी के व्यापारी अमित सोनी, भंडारी सोनी और उर्मिला कुलस्ते शिक्षिका का विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने मंच से सम्मान किया। भंडारी सोनी ने तीनों स्कूल के लिए एक एक वॉटर फ्रिज प्रदान किया है जिसकी लगभग लागत 1 लाख रुपया है । उर्मिला कुलस्ते ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास को 1 वॉटर फ्रिज जिसकी लागत 33 हजार रुपया प्रदान किया है । इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष सदन तिवारी, सेवाराम साहू ,पंच नितिन राय ,पंच शिवकुमार पटेल, प्राचार्य विशाल वरकड़े, चंद्र कुमार परमार, कोठी साहू , सुधीर जैन, पिंकी जैन सहित विद्यार्थियों की मौजूदगी रही।

जिपं सीईओ ने जांच का दिया आश्वासन

उमरियापान। ग्राम पंचायत उमरियापान में सड़क निर्माण को लेकर उठे सवालों के बीच जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) हरसिमरनप्रीत कौर ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। सीईओ ने स्पष्ट किया है कि फ्लोरी मशीन से सड़क निर्माण का कोई प्रावधान नहीं है और यदि इस तरीके से सड़क बनाई जा रही है तो यह नियमों के विरुद्ध माना जाएगा। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों द्वारा शिकायत की गई थी कि पंचायत क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य फ्लोरी मशीन से कराया जा रहा है, जबकि स्वीकृत तकनीकी मानकों और दिशा-निर्देशों में इसका उल्लेख नहीं है। शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आया और जिला पंचायत सीईओ ने पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराने की बात कही। जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर ने कहा कि यदि जांच में यह पाया जाता है कि निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के विपरीत किया गया है, तो संबंधित जिम्मेदारों पर नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

3 औद्योगिक इकाईयां सील

कटनी। लमतरा इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित 3 औद्योगिक इकाईयों क्रमशः सियाराम इंडस्ट्रीज, विकास राइस मिल और भव्या राइस मिल को सील किया गया है। आद्योगिक इकाईयों में मप्र नागरिक आपूर्ति निगम और उद्योग विभाग द्वारा मापदंडों का पालन नहीं हो रहा था।

धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस पर्व

सिलौंडी क्षेत्र में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह स्थल कन्या हाई स्कूल में हुआ जहां विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह में ध्वजारोहण किया। ग्राम पंचायत सिलौंडी में सरपंच पंचों संतोष कुमार,उपसरपंच राहुल राय,जिला पंचायत सदस्य कविता पंकज राय ने ध्वजारोहण किया। सिलौंडी और कछार गांव बड़ा में रानी अवंती बाई प्रतिमा के बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह,जिला पंचायत सदस्य कविता पंकज राय,मंडल अध्यक्ष मनीष सिंह बागरी,भाजपा जिला मंत्री डॉक्टर प्रशांत राय,सरपंच कैलाश चंद्र जैन ने ध्वजारोहण किया । ग्राम पंचायत खमरिया बागरी में सरपंच अनिल सिंह बागरी,लालपुर में सरपंच मीना मोहन बागरी, पाली में सरपंच दीनू सिंह ठाकुर, अतसूमा में सरपंच सुशील परस्ते , दशरमन में सरपंच सीमा भरत शुक्ला पुलिस चौकी में चौकी प्रभारी अनिल पांडे,उप तहसील भवन में नायब तहसीलदार नरेंद्र खरे ने ध्वजरोहण किया।

बाबूलाल मैदान को निगल रही, ईटों की अवैध खदान

राजस्व,, खनिज, प्रदूषण विभाग और कॉलरी प्रबंधन का परोक्ष योगदान- 10 एकड़ से अधिक भूमि पर खाई खोदकर ईटों का निर्माण और व्यवसाय"ईटे जो आम तौर पर निर्माण का प्रतीक होती हैं, किसी भी निर्माणि संरचना में जो नींव से लेकर कंगूरे तक अहम भूमिका निभाती हैं, वही ईटें नगर के इकलौते खेल मैदान को धीरे धीरे निगलती जा रही हैं।

धनपुरी।

नगर का वह बाबूलाल खेल मैदान जिसने कई खेल प्रतिभाओं को जन्म दिया, सजाया, संवारा और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से बड़े-बड़े नेताओं अधिकारियों को आमंत्रित आकर्षित कर उनका अभिनंदन किया उसी खेल मैदान का अस्तित्व अवैध ईट भट्टों के चलते संकट में है। हालांकि प्रत्यक्ष तौर पर तो ईटों के अवैध कारोबारी ही इसके लिए जिम्मेदार माने जा सकते हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, खनिज विभाग, पर्यावरण प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड और कालरी प्रबंधन तथा उसकी सुरक्षा एजेंसी ने भी परोक्ष रूप से इस अवैध कार्य में अपना भरपूर योगदान दिया है।फोटो03धनपुरी। नगरपालिका क्षेत्रांतर्गत वार्ड नंबर 25 में स्थित बाबूलाल खेल मैदान पिछले 50 वर्षों से नगर के खेल प्रेमियों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इस खेल मैदान में न जाने कितने जिला जिला स्तरीय खेल, क्रिकेट मैच फुटबॉल मैच खेले गए और इस खेल मैदान ने न जाने कितनी ही खेल प्रतिभाओं को जन्म देकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करने के लायक बनाया है। इसके अतिरिक्त धनपुरी नगर में खेल मैदान के दाम पर ऐसा कोई खेल मैदान नहीं है जहां पर सुबह शाम नगरवासी और उनके बच्चे अपना हुनर दिखा सके।यह कैसा सुंदरीकरण नगर पालिका ने सुंदरीकरण के नाम पर करोड़ों अरबों रुपए खर्च कर दिए लेकिन धनपुरी नगर पालिका के वार्डो में कहीं भी एक खेल मैदान भी देखने को नहीं मिलता, जहां पर बच्चों को खेलने और अपने खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर मिल सके। बाबूलाल खेल मैदान जहां सुबह शाम बच्चे फुटबॉल टूर्नामेंट, क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करते देखे जाते हैं, उस मैदान पर ईट माफियाओं के द्वारा सेंध लगाया जा रहा है। नगर सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रुपए का बजट लुटाती नगरपालिका और उसके ओहदेदारों को इस बात की कतई चिंता नहीं है कि नगर का धरोहर और खेल प्रतिभाओं को निखारने का एकमात्र माध्यम बाबूलाल खेल मैदान अपना अस्तित्व खोता जा रहा है। मैदान के अस्तित्व पर ग्रहण लगाने वाले ईटों के अवैध निर्माण कर्ताओं और व्यवसायियों पर अंकुश लगाने की दिशा में कभी कोई पहल नहीं की गई।बड़ी खाई हो रही तैयारअवैध रूप से ईटों के निर्माण के लिए बड़ी-बड़ी मशीनें लगाकर मिट्टी की खुदाई किए जाने से बहुत बड़ी खाई बनकर तैयार हो रही है, जिसके कारण बाबूलाल खेल मैदान की मिट्टी धीरे-धीरे खिसक कर उसी खाई में समाती जा रही है। यह एक ऐसी खाई है जिसमें नगर के कुछ नामी-गिरामी ईट व्यवसायियों के साथ ही सैकड़ों की तादाद में बेलदार ईटों का निर्माण कर उसका कारोबार करते हैं और खुद लाखों की कमाई कर बाबूलाल मैदान का अस्तित्व मिटाने पर आमादा हैं। हालात यदि यही बने रहे तो निकट भविष्य में बाबूलाल खेल मैदान दुर्घटनाओं और हादसों की आशंका का केंद्र बनकर रह जाएगा जहां बच्चे जाएंगे तो खेलने, लेकिन कब किस हादसे का शिकार हो जाएंगे किसी को जानकारी नहीं है।मुफ्त का कोयला, मिट्टी और जमीनगौरतलब है कि बाबूलाल मैदान और उससे लगी हुई एक बड़ी आराजी शासकीय स्वामित्व की भूमि है, और इसी शासकीय भूमि के 1 बड़े भाग यानी लगभग 10 एकड़ जमीन पर स्थानीय सफेदपोश कारोबारियों द्वारा ईटों के अवैध निर्माण का व्यवसाय किया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि बाबूलाल मैदान के पास ही क्यों ईटों का अवैध निर्माण हो रहा है? इसके जवाब में एक ही बात सामने आती है, वह यह कि कालरी से चोरी कर निकाला जाने वाला मुफ्त का कोयला, शासकीय स्वामित्व की मुफ्त की जमीन और मिट्टी तथा कालरी का ही पानी मिलने का इससे अच्छा स्थान और कहीं हो ही नहीं सकता है। खेल मैदान से लगी भूमि पर दर्जनों की संख्या में ईट माफियाओं के द्वारा ईट का व्यापार धड़ल्ले से वर्षों से कर चोरी का ट्रकों कोयला प्रतिदिन खपाया जा रहा है।चोर नहीं चोरों जैसा कामईंटों के इस अवैध कारोबार में शासकीय विभाग और एसईसीएल सोहागपुर एरिया मैनेजमेंट के साथ ही नगरीय निकाय की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है इसकी वजह यह है कि अपराधी सिर्फ अपराध कार्य करने वाला नहीं होता बल्कि अपराध में सहयोग देने वाला भी अपराधी ही माना जाता है और वह भी उसके समान दंड का भागीदार होता है।पांच विभाग जिम्मेदार बाबूलाल मैदान के पास कोयले के अवैध निर्माण और व्यवसाय के मामले में राजस्व विभाग के पटवारी से लेकर तहसीलदार तक खनिज विभाग के निरीक्षक और अधिकारी तक, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मैदानी अमले और अधिकारी के साथ ही एरिया मैनेजमेंट और उसकी सुरक्षा का दायित्व निभाने वाली सीआईएसएफ कंपनी के मैदानी अमले और अधिकारियों को भी सामान्य रूप से जिम्मेदार माना जा सकता है, क्योंकि हल्का पटवारी अथवा राजस्व निरीक्षक में कभी शासकीय भूमि का दुरुपयोग रुकने की दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की, खनिज विभाग द्वारा बिना अनुमति निर्मित किए जा रहे ईटों और ईट भट्ठा के खिलाफ कार्यवाही की जहमत नहीं उठाई गई, पीसीबी द्वारा भी खेल मैदान और स्थानीय पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे इन अवैध ईट भट्टों पर नकेल कसने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया सबसे अधिक जिम्मेदार तो सीआईएसएफ कंपनी को माना जा सकता है जो एसईसीएल से काली जी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के नाम पर भारी भरकम राशि बसंती है लेकिन उसकी सुरक्षा के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। प्रतिदिन हजारों बोरियां कोयला निकलकर घर घर पहुंच रहा है ईट भट्टों में पहुंच रहा है जिसे रोकने की कभी जरूरत ही महसूस नहीं की गई यही स्थिति पुलिस विभाग की भी है सुबह से लेकर शाम तक लोग बोरियों में भरकर कोयला लेकर निकलते हैं घरों के सामने सिगड़ी जलाते पुलिस विभाग के किसी भी बंदे ने यह पूछने की कोशिश नहीं की कि जब कोयला प्रतिबंधित है तो कहां से लाकर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं हो रही है।परेशान रहवासीईट पकाते समय प्रदूषण से खेल प्रेमियों को भी परेशानी होती है वही वार्ड नंबर 25 के वार्ड वासियों को भी प्रदूषण परेशान देखे जाते हैं।ईट उद्योग बाबूलाल मैदान सटी हुई जमीन को जेसीबी मशीन से खोदकर सैकड़ों ईट भट्ठा संचालित कर जमीन को खदान नुमा बना दिया गया।कालरी मैनेजमेंट भी जिम्मेदारयह बात आए दिन सामने आती है कि एसईसीएल सोहागपुर एरिया करोड़ों रुपए के घाटे में चल रही है। इस घाटे का कारण क्या है यह जानने की जरूरत शायद मैनेजमेंट के अधिकारियों ने महसूस नहीं की, अन्यथा उन्हें एक नजर में ही समझ में आ जाता कि प्रतिदिन हजारों बोरियां कोयला जो ट्रकों में भरकर पार किया जाता है अथवा ईट भट्ठों में खपाया जाता है, और लोग घरों में सिगड़ी में उपयोग कर रहे हैं अगर इस पर वास्तव में नियंत्रण स्थापित कर लिया जाए तो काफी हद तक घाटा पूरा किया जा सकता है। इसके लिए मैनेजमेंट द्वारा सीआईएसएफ कंपनी को सुरक्षा का ठेका भी दिया गया है लेकिन यह कंपनी और इसके कर्ताधर्ता मुफ्त का पैसा वसूलने तक ही सीमित हैं। उधर कंपनी से मुफ्त का पैसा सुरक्षा के नाम पर वसूल रहे हैं, तो इधर कोयले के अवैध कारोबारियों, ईट भट्ठा संचालकों और रोजमर्रा कोयला बेचकर अपनी रोजी-रोटी चलाने वाले लोगों से अवैध वसूली कर अपनी तोंद मोटी करने में ही सीआईएसफ कंपनी के जवान लगे हुए हैं। यदि इन पर अंकुश नहीं लगाया जाता तो यह अवैध कारोबार दिनों दिन फलता फूलता रहेगा।

लीनेस क्लब बुढ़ार ने संकट मोचन स्कूल में जरूरतमंद बच्चों के साथ हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

धनपुरी।

लीनेस क्लब बुढ़ार द्वारा गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सामाजिक सेवा की भावना के साथ 25 जरूरतमंद बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत करना एवं उन्हें आत्मविश्वास से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता लीनेस क्लब की अध्यक्ष श्रीमती बिंदा भगत ने की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से गणतंत्र दिवस, देश और तिरंगे से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न पूछे गए, जिनके सही उत्तर देने पर बच्चों को प्रोत्साहित किया गया।लीनेस क्लब की सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया, उनसे संवाद किया और उन्हें प्रेमपूर्वक मार्गदर्शन दिया। बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी देखते ही बनती थी।अध्यक्ष श्रीमती बिंदा भगत ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों के साथ खुशियाँ बांटना ही सच्ची सेवा है। सचिव श्रीमती अंजू दुआ एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती अर्चना ओझा ने भी भविष्य में ऐसे सामाजिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की बात कही।कार्यक्रम में लीनेस क्लब के सदस्य अंजू अग्रवाल, नागमणि मानिकपुरी, अंजना जैन अंजुमिश्रा ,ज्योति खनूजा, आरती खनूजा,रजनी जैन श्यामा गुप्ता, सरिता अग्रवाल साधना अग्रवाल, शैला गुप्ता उपस्थित रही

एक दिवसीय टूर्नामेंट का शानदार आयोजन

घुनघुटी शहडोल

26 जनवरी के शुभ अवसर एक दिवसीय टूर्नामेंट का शानदार आयोजन जिसमे चार टीमों ने हिस्सा लिया फाइनल मैच में बस्ती पैंथर 11 ने घुन घुट्टी के चौराहा टाइगर 11 को एक तरफा मुकाबले में बुरी तरह हरा दिया चौराहा के शेर हुए ढेर मैच के बाद बस्ती से लेकर पूरे गांव में हे जश्न का मौहल जितने वाली टीम को पुरस्कृत भी किया गया गणमान्य नागरिक रहे मौजूद सरपंच पति जीवन बेगा अभय शिवहरे। रमेश बर्मा विनय केवट अजय वर्मा रहे मौजूद विजय टीम कैप्टन सागर एवं समस्त खिलाड़ी को पुरस्कार प्रदान किया और उनके इस शानदार खेल के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं बधाई दी साथ ही 26 जनवरी की भी शुभकामनाएं

ढीमरखेड़ा मुख्यालय एवं ग्रामीण अंचलों में गणतंत्र दिवस पर हुये आयोजन

ढीमरखेड़ा मुख्यालय एव ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लाष एवम उमंग के साथ 77 वें गणतंत्र दिवस को गरिमा एव उल्लास पूर्वक मनाया गया। ढीमरखेड़ा नगर में शासकीय एव अशासकीय कार्यालयों स्कूल में देश के गौरव के प्रतीक राष्ट्र ध्वज तिरंगा झंडा को जश्न के साथ फहराया गया। ढीमरखेड़ा में स्थानीय शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में गोमती बैन ने व्यवहार न्यायालय पूर्वी तिवारी जनपद पंचायत सुनीता संतोष दुबे थाना प्रांगण अभिषेक चौबे गणमान्य जनों की उपस्थिति में राष्ट्र ध्वज फहराया एवम ध्वज की सलामी ली तथा श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर आरके गौतम हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्ययन रत छात्र छात्राओं के द्वारा भारत माता की आकर्षक झांकी बनाई गई जिसकी जन समुदाय ने प्रशंसा की। स्कूल के छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। स्कूल के छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी को मीठा एवम प्रसाद वितरण किया गया।

ढीमरखेड़ा हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र छात्रों के द्वारा स्कूल प्रांगण से थाना प्रांगण तक प्रभात फेरी निकल गई। ढोल नगाड़ा की धुन में वंदे मातरम गीत के साथ नगर भ्रमण करते हुए अमर शहीदों के जयकारे के साथ थाना प्रांगण पर आकर ध्वजारोहण करवाया एवं पुनः वापस स्कूल प्रांगण पर पहुंचकर संस्कृत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा गीत भाषण प्रस्तुत किए गए। ढीमरखेड़ा मुख्यालय स्थित व्यवहार न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीश पूर्वी तिवारी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं प्रांगण परिसर पर वृक्षारोपण किया गया एवं जन समुदाय को विधीक साक्षरता के माध्यम से लोगों को संदेश दिया

दादू और बस के खिलाफ लकी वस संचालक ने की कार्रवाई की मांग

मनमानी ढंग से चला रहे बस पुलिस और आरटीओ नहीं दे रहे ध्यान

ब्यौहारी

थाने में नहीं लिखी गई रिपोर्ट।शहडोल। ब्यौहारी ।थाना क्षेत्र के अंतर्गत इन दोनों दादू और बस सर्विस द्वारा मनमानी ढंग से बसों का संचालन किया जा रहा है जिससे दूसरे बस मालिक काफी परेशान है और इस परेशानी को लेकर जब वह थाना और आरटीओ में शिकायत करते हैं तो उनकी सुनने वाला कोई नही है लकी बस का संचालन करने ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि मैं छोटा-मोटर मालिक हूं मेरे पास एक दो गाड़ियां हैं दादू और बस सर्विस के पास बहुत सारी गाड़ियां हैं बड़ी कंपनी है और मुझे अब दादू एंड कंपनी निगलना चाहती है जिसमें पुलिस और आरटीओ पूरा सहयोग कर रहे हैं जबकि जबकि अधिकारियों को निष्पक्षता पूर्वक कार्य करना चाहिए लेकिन मेरे को ही खत्म करने में लगे हुए हैं मेरी गाड़ी पिछले 12 वर्षों से स्थाई परमिट लेकर मझौली से रीवा जाती है लेकिन पिछले कुछ दिनों से मेरी गाड़ी के आगे आगे अपनी गाड़ी दौड़ा देते हैं मुझे बहुत आर्थिक नुकसान हो रहा है और मेरी गाड़ी के बाद उनकी ही गाड़ी लगी हुई है इसलिए इनको कोई आर्थिक नुकसान नहीं होता मेरी गाड़ी का टाइम 8:50 है मझौली से छूटने का उनकी गाड़ी का टाइम 9:05 में है मझौली से छूटने का है वह पसगडी और चमराडोल में आगे हो जाती कहा जाता है मेरा परमिट अब आगे है ऐसा कभी हो सकता है कि किसी बस का परमिट आगे हो जाए और निर्धारित स्थान से पीछे रहे इसी तरह से आर्थिक रूप से

नुकसान पहुंचाने के नियत से रीवा से लौटते समय भी एक गाड़ी दौड़ा देते हैं कहते हैं मैनेजर साहब बोले हैं जब परमिट की मांग करो तो कहते हैं परमिट मोबाइल में है परमिट नहीं दिखाई जाती शाम के समय में मेरी गाड़ी का टाइम 8:10 में ब्यौहारी से मझौली जाने का है दादू की गाड़ी का टाइम 6:50 है लेकिन इनकी एक गाड़ी 7:30 बजे जाती है जिसको देखने वाला कोई नहीं साढे सात बजे जाकर पूरी सवारी भर लेती है जिससे मुझे निरंतर नुकसान हो रहा है इसकी शिकायत पूर्व में भी मैं मझौली थाने में और ब्यौहारी- थाने में किया हूं तो कोई कार्रवाई नहीं की जाती जबकि नियमानुसार चलान करना चाहिए और यदि बार-बार परमिट नियमों का उल्लंघन किया जाता है बिना परमिट के गाड़ी चलाई जाती है तो संबंधित गाड़ी को जप्त करने का क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को है लेकिन उनके द्वारा

कोई कार्रवाई नहीं की जाती । -आरटीओ का खुला समर्थन-मैं जब अपनी समस्या लेकर शहडोल की आरटीओ अनपा खान के पास गया तो उन्होंने कहा कि मृगेंद्र मिश्रा बहुत अच्छे आदमी हैं वह तो बस का काम ही नहीं करते रेल्वे का काम करते हैं लेकिन अब बड़ा सवाल यह है कि जब आरटीओ खुद इस बात की कह रही हैं की वह बहुत अच्छे आदमी है तो उनपर करवाई क्या करेंगी जबकि नियमानुसार उनको मामले की जांच कर कर संबंधित बस का चालान काटना चाहिए और बस को जप्ती की कार्रवाई करना चाहिए जो व्यक्ति मेरी रोजी-रोटी को खत्म कर रहा है उस व्यक्ति से मैं कैसे हाथ मिलाऊं और वह व्यक्ति अच्छा मेरे लिए कैसे हो सकता है । इसी तरह से रीवा आरटीओ मनीष त्रिपाठी भी इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते बिना नंबर की भी गाड़ियां दौड़ आते हैं बड़ी गाड़ी का परमिट है छोटी गाड़ी लेकर जाते हैं जिस गाड़ी का परमिट नहीं है उसे गाड़ी को भी चलाते है कई अवैध कार्य किए जाते हैं जिसमें रीवा और शहडोल आरटीओ का भरपूर समर्थन मिलता है क्या है पूरा मामला।दिनांक 26 जनवरी को दीपक बस के कंडक्टर मोनू तिवारी द्वारा पसगड़ी चौराहे में मेरे साथ मारपीट की गई जिसके कारण मैं आकर की ब्यौहारी- थाने में अपनी गाड़ी खड़ी कर दिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गया लेकिन रिपोर्ट नहीं लिखी गई, एसडीओपी कार्यालय भी गया वहां भी मेरी रिपोर्ट नहीं लिखी गई मेरा रीवा का नंबर भी मिस हो गया कहा गया कि बुलाकर समझा देते हैं दीपक बस के मैनेजर अनिल मिश्रा को बुलाया गया समझाया गया लेकिन बस मालिक,और मैनेजर पर टी आई और एसडीओपी की समझाईस का कोई असर नहीं पड़ा अगले दिन से फिर से वही ढर्रा ब्यौहारी- से रीवा मेरी गाड़ी के आगे आगे गाड़ी लेकर चलने लगे जब मैं गाड़ी रोक कर कंडक्टर से पूछा कि परमिट दिखाओ तो कहा मैनेजर साहब बोले हैं परमिट मोबाइल में है और परमिट नहीं दिखाई इस तरह से मनमानी किया जा रहा है बस संचालक ओमप्रकाश शर्मा ने मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री कमिश्नर कलेक्टर एवं एसपी से दादू और बस सर्विस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

खबर संक्षेप

फुलवारी टोला क्रिकेट ग्राउंड में जुआं खेलते 5 आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। 26 जनवरी को थाना रामनगर पुलिस कस्बा देहात भ्रमण पर थी, इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि फुलवारी टोला स्थित क्रिकेट ग्राउंड में कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों के माध्यम से रुपये/पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुँचकर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। पुलिस को देखकर जुआड़ियान भागने का प्रयास करने लगे, किंतु सतर्कता से की गई घेराबंदी के चलते 05 आरोपियों को मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे एवं जुआ फड़ से नगद राशि 1580 (एक हजार पाँच सौ अस्सी रुपये) तथा 52 ताश के पत्ते बरामद कर विधिवत जप्त किए गए। आरोपियों के नाम 1. संदीप कुमार केवट, पिता गोविंद प्रसाद केवट, उम्र 27 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 10, आमाडांड़, 2. रवि कुमार केवट, पिता बाबूराम केवट, उम्र 30 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 09, आमाडांड़., 3. बीरेन्द्र चंदा, पिता जुगराज प्रसाद चंदा, उम्र 26 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 06, आमाडांड़, 4. रवि कुमार चौधरी, पिता फूलदास चौधरी, उम्र 27 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 13, आमाडांड़, 5 अमन हथेल, पिता दिल्हरण हथेल, उम्र 23 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 15, आमाडांड़ है। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्र 27/2026 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया है।

डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

अनूपपुर। डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट संतोष अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि श्रीमती कुमकुम सिंह सबसे पहले ध्वजारोहण किया गया। तिरंगे की सलामी और राष्ट्रगान का गायन हुआ। इसके बाद भारत माता की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं विद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती सुशीला कुलवंत द्वारा किया गया। इसके बाद संगीत शिक्षक ऋषि राज सिंह द्वारा बच्चों से स्वागतगीत का गायन कराया गया। कार्यक्रम की अगली प्रस्तुति बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों पर अपने नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में एक ऐसा सीबीएसई स्कूल है जहां की पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार दिए जाते हैं चाहे भोजन मंत्र हो, या शांति पाठ और यहां तक की प्रार्थना में संस्कृत से शुभारंभ होता है। यहां पर अंग्रेजी का अच्छा माहौल रहता है। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का पूर्ण सहयोग रहा कार्यक्रम सराहनी रहा। अंत में प्राचार्य सुशीला कुलवंत ने सभी अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित की। भविष्य में विद्यालय की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा अमूल्य समय देकर के विद्यालय में उपस्थित हुए इसी तरह के जब भी विद्यालय में कोई कार्यक्रम हो आप लोग अधिक से अधिक संख्या में पधार कर बच्चों का उत्साह वर्धन कीजिए।

बिलासपुर-इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस में एलएचबी कोच का प्रावधान

अनूपपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतरीन प्रयास किया जा रहा है, इस तारतम्य में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली सभी गाड़ियों में योजनाबद्ध तरीके से पुराने पारंपरिक कोचों के बदले सुविधाजनक, आरामदायक और ज्यादा सुरक्षित नई तकनीक वाले एलएचबी कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 18234/18233 बिलासपुर-इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस में बिलासपुर से 30 मार्च 2026 से तथा इंदौर से 31 मार्च 2026 से एलएचबी कोचों के साथ संचालित किया जायेगा।

एमबी पावर, टोरेंट पावर, अदानी पावर के साथ हुआ अनुबंध

2030 तक अनूपपुर जिला को मिलेगा तीन नए पॉवर हाउस

आठ हजार लोगो को रोजगार मिलने की संभावना

अनूपपुर। म.प्र. सरकार का पावर हाउस कंपनियों के साथ अनुबंध होने से अनूपपुर जिले में लगने वाले तीनों पावर प्लांट का रास्ता साफ हो गया है। हुये अनुबंध के अनुसार तीनों पावर प्लांट को मिलाकर म.प्र. में विद्युत उत्पादन क्षमता का ग्राफ नई उंचाईयां छुयेगा। अनुबंधों के मुताबिक रोजगार के नये अवसर भी लोगों को मिलेंगें ये सब बातें जहां हुये उक्त अनुबंधों से होने वाले फायदे को दर्शातीं हैं तो वहीं पर्यावरण प्रदूषण की रफतार उक्त जिले के आस पास कई गुनी बढ़ जायेगी साथ ही विस्थापित लोगों की दशा काल चक्र के साथ किधर परिवर्तित होगी उसका कयास लगाना फिलाल आसान नही है। 60 हजार करोड रूपये की लागत से 4 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन के लिए हूए समझौते प्रदेश के स्थाई विकास का आधार बनेगें। बिजली का महत्व शरीर में प्राणों की समान है। जैसे समस्त गतिविधियों के संचालन के लिए शरीर में प्राण आवश्यक है, वैसे ही किसी भी राज्य की प्रगति और उन्नति के लिए पर्याप्त विधुत उपलब्धता आवश्यक है। इससे प्रदेश में कुल विधुत उपलब्धता में बढोतरी होने के साथ साथ बिजली की मांग की शत प्रतिशत आपूर्ति संभव होगा डिजाइन बिल्ड, फाइनेस, ओन एंड ऑपरेट डीबीएफओओ मॉडल पर स्थापित होने वाले इन नए विधुत संयंत्रो से लगभग 8 हजार लोग को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा मंगलवार को प्रदेश की राजधानी भोपाल मे मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 4 हजार मेगावॉट बिजली के पॉवर सप्लाई एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए। एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढपाले तथा टोरेंट पॉवर लिमिटेड के जिगिश मेहता, अदानी पॉवर लिमिटेड के एसबी खिलया ओर हिन्दुस्तान थर्मल प्रोजेक्टस के रतुल पुरी के बीच पॉवर सप्लाई एग्रीमेंट का आदान प्रदान हुआ। यह नए पॉवर हाउस अनूपपुर जिले में स्थापित होंगे।

तीन नए पॉवर प्लांटों का हुआ एमओयू

अनूपपुर जिले में मध्यप्रदेश सरकार ने तीन नए पॉवर प्लांटों को लगने की मंजूरी दी है जिसमे जैतहरी मे स्थित एमबी पॉवर (हिन्दुस्तान थर्मल) 800

मेगावॉट, दूसरी तरफ रक्सा कोलमी टोरेंट पॉवर 1600 मेगावॉट, तीसरा पावर पलांट छतई (कोतमा) में अदानी पावर 800 मेगावॉट, वही ग्रीन शू विकल्प के अन्तरगत अतिरिक्त 800 मेगावॉट क्षमता के नए पॅवार पलांट अनुबंध के अनुसार 2030 तक विधुत आपूर्ति होने की संभावना है। एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी ने राज्य में स्थापित किए जाने वाले नए विधुत संयंत्रों से डिजाइन बिल्ड, फाइनेंस ओन एंड आपरेट डीबीएफ ओओ के तहत विधुत दर आधारित प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के माध्यम से 3200 मेगावट बिजली खरीद के लिए बोलियां आमंत्रित की थी। इसमें बिजली खरीद के ग्रीन शू विकल्प के तहत अतिरिक्त 800 मेंगावॉट की बिजली खरीद का विकल्प भी शामिल थी। इसके अनुसार मेसर्स हिन्दुस्तान थर्मल प्रोजेक्टस लिमिटेड को 800 मेगावॉट, मेसर्स टोरेंट पॉवर लिमिटेड को 1600 मेगावॉट तथा मेसर्स अदानी पॉवर लिमिटेड को 800 मेगावॉट व ग्रीन शू विकल्प के अंतर्गत अतिरिक्त 800 मेगावॉट क्षमता आवंटित की गई है। टोरेंट द्वारा 24 हजार करोड रूपय तथा हिन्दुस्तान थर्मल द्वारा 12 हजार करोड रूपये का निवेश प्रस्तावित है।

विपरीत पर्यावरणीय प्रभाव

जहां एक ओर सरकार एवं पावर प्लांट से जुड़ी कंपनियां अनुबंधों पर हस्ताक्षर कर आगामी रणनीति बनाने में जुटी है वहीं कागजों में पर्यावरण को लेकर चिंता एवं सुरक्षा की भावनाओं को लेकर बड़ी बड़ी बातें कही एवं लिखी गई हैं किन्तु अनूपपुर जिला पूर्व से ऐसे हालातों का सामना करता आ रहा है इसलिये आम जन मानस को इन कंपनियों के कथनी एवं करनी पर भरोसा नही है यह जिला सतपुड़ा विंध्यांचल एवं मैकल जैसी पहाडियों का मिलन पर बसा है, यहां की प्राकृतिक वन संपदा अनमोल है खनिज की बात करें तो कोयला, बाक्साईड, गोल्डन सेंड की भरमार है, वनों में दुर्लभ पेड़-पौधे लगे हुये हैं जिससे यहां प्रदूषण का स्तर अत्यन्त नागण्य है किन्तु इन पावर प्लांटों के संचालन से वातावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा जो यहां के आमजन मानस को अनायास ही झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

विस्थापन से लोगों का भविष्य

अनुबंध में हस्ताक्षर के बाद यह तय माना जा रहा है कि जल्द ही जोर सोर से निर्माण कार्य पावर प्लांटों को लेकर शुरू कर दिया जायेगा हलांकि कुछ जरूरी निर्माण शुरू भी हो चुके हैं कहने को लोक अदालतों के माध्यम से स्थानीयजनों की समस्यायें सुनी एवं निराकृत की गई हैं यह भी कागज तक सीमित हैं वास्तविकता में वादे ग्रामीणों के हाथ ज्यादा आये हैं जिनका पालन अक्षरशः होगा यह भविष्य के गर्त में हैं किन्तु जिन किसानों की भूमि अधिग्रहण में ली गई है वे सदा के लिये भूमिहीन की श्रेणी में चले गये यह अलग बात है कि उनमें से कुछ कहीं और भूमि खरीद अपना पुस्तैनी कृषि व्यवसाय का आंशिक संचालन सतत रख पायेगें लेकिन ज्यादातर किसानों की आने वाली पीढ़ी कृषि से दूर ही रह जायेगी भूमि स्थाई व्यवसाय के अंतरर्गत आती है यह पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय एवं रोजगार देती रही है यही भूमि अब चंद सिक्कों के आगे बिक चुकी है या जबरिया ले ली गई है। ऐसे में ये किसान बेबस और विस्थापित जैसे शब्दों में बंध कर रह गये हैं, कालांतर में इन्हे ही अन्नदाता कहा जाता रहा है।

पति की मृत्यु के बाद बीमा राशि बनी परिवार का सहारा

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से मिली 2 लाख की सहायता

अमरकंटक। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक (लालपुर) के समीप स्थित ग्राम पमरा निवासी 41 वर्षीय श्रीमती कुंती बाई सिंह कुशराम के लिए पति की आकस्मिक मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से प्राप्त बीमा राशि आर्थिक संबल बनकर सामने आई है। श्रीमती कुंती बाई के पति स्वर्गीय अमीन सिंह कुशराम का आकस्मिक निधन 27 अगस्त 2025 को घर पर हो गया था। उनके निधन से पत्नी कुंती बाई, पुत्री कुमारी सरोजनी सिंह कुशराम (25 वर्ष) एवं पुत्र संदीप सिंह कुशराम (23 वर्ष) गहरे शोक में डूब गए थे। साथ ही सामाजिक कार्यक्रमों एवं आगामी विवाह आयोजनों को लेकर आर्थिक चिंता भी परिवार पर आ गई थी। इसी दौरान जानकारी मिली कि स्वर्गीय अमीन सिंह कुशराम ने अपने जीवनकाल में भारतीय स्टेट बैंक भेजरी कियोस्क शाखा में खोले गए खाते से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत मात्र 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर बीमा कराया था। इसके बाद विधवा

श्रीमती कुंती बाई अपने पुत्र-पुत्री के साथ पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा पहुँचीं, जहाँ शाखा प्रबंधक गौरव उपाध्याय ने खाते से संबंधित बीमा की पुष्टि की और आवश्यक दस्तावेज जमा कराने को कहा। परिजनों द्वारा मृत्यु प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड एवं बैंक खाता विवरण शीघ्र जमा कर दिए गए। शाखा प्रबंधक द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर वरिष्ठ कार्यालय से अनुमति प्राप्त की गई। 28 जनवरी बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक, अमरकंटक शाखा में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल ने स्वर्गीय अमीन सिंह कुशराम की पत्नी श्रीमती कुंती बाई कुशराम को 2 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर समीपी ग्राम भरनी निवासी कमल किशोर साहू भी उपस्थित रहे। पति के निधन के बाद प्राप्त यह बीमा राशि परिवार के लिए एक बड़ा आर्थिक सहारा सिद्ध हुई है। श्रीमती कुंती बाई ने चेक को अपने बैंक खाते में जमा कर दिया है। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय अमीन सिंह कुशराम ने वर्ष 2014 में भारतीय स्टेट बैंक भेजरी शाखा में खाता खुलवाया था और नियमित रूप से छोटी-छोटी बचत जमा करते रहे, जिसका लाभ आज उनके परिवार को मिला। यह घटना प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की उपयोगिता और महत्व को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

कलेक्टर ने पसला एवं फुनगा में बोर्ड परीक्षा की तैयारियों का लिया जायजा

बोर्ड परीक्षा के पूर्व विगत वर्षों के प्रश्न पत्र अनिवार्यता से कराएं हल-कलेक्टर

विद्यार्थियों से परीक्षा की तैयारी के संबंध में चर्चा कर दिया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज विकासखंड जैतहरी अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसला एवं फुनगा का निरीक्षण कर बोर्ड परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से सीधे संवाद कर परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों से बोर्ड परीक्षा की तैयारी के संबंध में जानकारी ली तथा रिमेडियल कक्षाओं की स्थिति और हल कराए जा रहे प्रश्नपत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने प्री-बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से गणित और अंग्रेजी विषयों में विद्यार्थियों की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री पंचोली ने विद्यालय पसला में कक्षा दसवीं के विद्यार्थी संदीप यादव और उर्मिला बैगा से अपने समक्ष गणित एवं अंग्रेजी विषय के कुछ प्रश्न हल कराए और स्वयं उनके उत्तरों की जांच भी की। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फुनगा में छात्र विवेक सिंह और कुलदीप पटेल से अभ्यास हेतु दिए जा रहे प्रश्नपत्रों में से गणित और अंग्रेजी के प्रश्न हल कराए गए तथा उनके उत्तरों का मूल्यांकन किया गया। कलेक्टर ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों को किन विषयों और किन प्रश्नों में कठिनाई आ रही है, इसका

विस्तृत विश्लेषण कर रिमेडियल कक्षाओं में उन बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि परीक्षा के अंतिम 10 दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए इस अवधि में विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं पर विशेष फोकस रखते हुए सकारात्मक परीक्षा परिणाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षा से पूर्व विगत वर्षों के प्रश्नपत्र अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों से हल कराए जाएं। शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए विशेष प्रयास करें, कमजोर विद्यार्थियों की अलग से पहचान कर उन्हें अतिरिक्त मार्गदर्शन दिया जाए तथा प्रतिदिन अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कर सभी विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए पूर्ण रूप से तैयार किया जाए। कलेक्टर श्री पंचोली ने शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों के बेहतर परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी नियमित रूप से रिमेडियल कक्षाओं में भाग लें और विगत वर्षों के प्रश्नपत्र अनिवार्य रूप से हल करें, ताकि परीक्षा पैटर्न और प्रश्नों की प्रकृति को अच्छी तरह समझ सकें। उन्होंने टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन और परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र हल करने की सही रणनीति पर विशेष जोर दिया। विद्यार्थियों को वन लाइनर प्रश्नों की निरंतर प्रैक्टिस कराने, अंग्रेजी विषय में पैसेज सॉल्व करने की तकनीक, ग्रामर की मजबूत तैयारी तथा महत्वपूर्ण टॉपिक्स का रिवीजन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों की विषयवार कमजोरियों की पहचान कर उन्हें लक्षित अभ्यास कराएं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े और वे बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो सहित विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक उपस्थित थे।

प्रणाम नर्मदा युवा संघ ने मनाया अपना 13वां स्थापना दिवस

अनूपपुर। मैकल क्षेत्र में सेवा के लिए समर्पित स्वयंसेवी संस्था प्रणाम नर्मदा युवा संघ विगत 12 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य पर्यावरण, जनजाति सशक्तिकरण, माहवारी, सर्पदंश जागरूकता, रक्तदान आदि अनेक विषयों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है इसकी स्थापना 6 फरवरी 2014 को नर्मदा जन्मोत्सव के दिन अमरकंटक में हुआ था, तब से संस्था लगातार सक्रिय रूप से नर सेवा नारायण सेवा के भाव से कार्य कर रहा है द्य संस्था द्वारा मां नर्मदा जन्मोत्सव पर अमरकंटक में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष माँ नर्मदा जन्मोत्सव के अवसर पर मां रेवा गायत्री यज्ञ का आयोजन किया जाता है, मां नर्मदा का एक नाम वेदगर्भा भी है, मां गायत्री वेदों की माता है, अतः वेद की जननी सनातन धर्म की जननी है, इन्हीं विचारों को लेकर, आत्मा की शुद्धि एवं लोक कल्याण हेतु मां गायत्री यज्ञ का आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार के सहयोग से किया गया। संस्था द्वारा श्रद्धालुओं में मां नर्मदा परिक्रमा के महत्व को बताने तथा जन जागरुकता हेतु मां नर्मदा परिक्रमा का सूक्ष्म प्रतिरूप निर्मित किया गया, जिसमें अमरकंटक से लेकर भरूच तक के प्रमुख स्थानों को निर्मित किया गया, अमरकंटक में आए श्रद्धालु इस नर्मदा परिक्रमा प्रतिरूप की परिक्रमा करके स्वयं को धन्य महसूस करते, संस्था का आभार प्रकट किए। स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा मां नर्मदा के आध्यात्मिक, भौगोलिक, जलवायु तथा कृषि महत्व के साथ नर्मदा घाटी की जैव विविधता, परिक्रमा के महत्व को समझने हेतु विगत वर्ष से विमर्श का कार्यक्रम आयोजित करते आ रहा है, इस वर्ष इस विमर्श कार्यक्रम में श्री रामकृष्ण मिशन अमरकंटक के अध्यक्ष स्वामी आद्यानंद जी महाराज, जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक के पुरातात्व विभाग के आचार्य प्रो आलोक श्रोत्रिय, भेषज संकाय के प्राध्यापक डॉ कुंजबिहारी सुलखिया ने नर्मदा के विभिन्न महात्मा पर उद्बोधन प्रदान किए। संस्था द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया तदुपरांत संस्था द्वारा मां रेवा की अनुभूति और आत्म बोध हेतु मां नर्मदा खंड परिक्रमा के रूप में नर्मदा यात्रा का आयोजन किया गया, यह यात्रा ग्राम फरिसमर से नीलकंठ आश्रम तक यात्रा चली जिसमें मैकल की जैव विविधता तथा मां नर्मदा के महात्म को जाना गया द्य प्रतिभागी नर्मदा तट पर बैठकर आत्मिक अनुभव से लाभान्वित हुए।

सहायक आयुक्त को उच्च न्यायालय जबलपुर ने जारी किया नोटिस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अनुपपुर सुश्री सरिता नायक को उच्च न्यायालय जबलपुर ने जारी किया नोटिस। प्रकरण अनुकम्पा नियुक्ति नहीं दिए जाने से संबंधित है, श्रवण कुमार सिंह सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय लेबर कॉलोनी बरगवां जनपद पंचायत जैतहरी जिला अनुपपुर में पदस्थ थे, सेवावधि में ही दिनांक 28/10/2017 को श्री सिंह की मृत्यु हो गई, उनके पुत्र सुल्तान सिंह ने शासन के नियमानुसार जारी निर्देशों के अंतर्गत स्व पिता के स्थान पर नौकरी दिए जाने का आवेदन दिया था, विभाग द्वारा अनुकंपा नहीं दिए जाने पर सुल्तान सिंह द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट याचिका प्रस्तुत की गई थी, याचिका का निराकरण करते हुए उच्च न्यायालय ने निर्देश दिए थे कि आवेदक के द्वारा दिए गए आवेदन पर तीन माह के अंदर नियमानुसार कार्यवाही करें, आवेदक ने उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश की प्रति सहित पुनः अपना आवेदन सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अनुपपुर में प्रस्तुत किया परन्तु इसके बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई, विवश होकर प्रार्थी द्वारा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अनुपपुर सुश्री सरिता नायक के विरुद्ध अवमानना याचिका प्रस्तुत किया गया था, जिस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय जबलपुर ने नोटिस जारी किया है, सोन मौहरी निवासी आश्रित परिवार लगातार नौ वर्षों से अनुकंपा नियुक्ति के लिए भटक रहा है पर सरकार द्वारा जारी नियमों के क्रियान्वयन में अधिकारियों की जिद भारी पड़ रही है, जिले में अनुकम्पा नियुक्ति के कई प्रकरण उच्च न्यायालय और सरकारी कार्यालय में लंबित पड़े हुए हैं, परिवार के मुखिया सरकारी कर्मचारी जिसकी आय पर पूरे परिवार के भरण पोषण का दायित्व था, उसकी अकाल मृत्यु के बाद उसके परिवार को उसके विभाग द्वारा किस प्रकार प्रताड़ित किया जाता है इसका उदाहरण है स्व श्रवण सिंह का प्रकरण, जन सुनवाई, सीएम हेल्पलाइन केवल औचारिकता बन कर रह गई है वास्तव में आम जनता को उसकी समस्या का हल तभी नसीब होगा जब वह वर्तमान व्यवस्था के अनुरूप मार्ग पर चलकर अपना काम करवा ले, सुल्तान सिंह धुर्वे के नौ वर्षों तक के संघर्ष को अगर देखें तो शासन के नियमों का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

अवैध रेत खनन एवं परिवहन करते मिनी ट्रक को किया गया जप्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। फुनगा पुलिस द्वारा अवैध रेत खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही की गई। 27 जनवरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक लाल-पीले रंग का मिनी ट्रक अवैध रूप से सोन नदी (पसला) से रेत लोड कर ग्राम कोलमी की ओर आ रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए चौकी फुनगा पुलिस द्वारा बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर मिनी ट्रक को रोका गया। वाहन चालक ने अपना नाम रामदीन राठौर पिता मंचल राठौर उम्र 30 वर्ष निवासी पसला बताया। वाहन के स्वामित्व के संबंध में पूछताछ करने पर स्वयं को वाहन स्वामी बताया गया।

मिनी ट्रक में लोड रेत के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। पूछताछ में चालक द्वारा सोन नदी से अवैध रूप से रेत लोड कर विक्रय हेतु कोलमी ले जाना स्वीकार किया गया। वाहन में लगभग 05 घन मीटर रेत, जिसकी अनुमानित कीमत 5,000 तथा मिनी ट्रक की कीमत लगभग 12,00,000, कुल मशरूका 12,05,000 को गवाहों के समक्ष विधिवत जप्त किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) बीएनएस एवं 4/21 खनिज एवं खनन अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस कार्यवाही में उनि सोने सिंह परस्ते (चौकी प्रभारी), प्र.आर. सूर्यभान सिंह एवं आरक्षक वीर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।